बाबा मुक्तानन्द द्वारा दी गई सिखावनियाँ ३

मन, अन्दर या बाहर जहाँ भी जाए, दुःखदायी हों या सुखदायी, चाहे जिन विचारों अथवा संकल्प-विकल्पों का अनुभव करे, उस क्रियाशीलता का आधार परम चिति ही है।[१]

~ बाबा मुक्तानन्द

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

[१] स्वामी मुक्तानन्द, *Mystery of the Mind,* [चित्शक्ति® पब्लिकेशन्स्, २०१९] पृ ३५।